राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान
एक पहल बदलाव की ओर

JSPL FOUNDATION

Date	Media outlet	Headline	Edition	AVE
Oct 18	Dabang Dunia	JSPL Foundation Launches Rashtriya Swayam Siddh Saman	Bhopal	7200

सामाजिक दायित्व निभाने वाले लोगों को मिलेगा राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान

भोपाल। माउंटेन मैन के नाम से मशहूर दशरथ मांझी बिहार के गया जिले के गांव में रहने वाले मजदूर थे, जिन्होंने केवल छेनी-हथौड़ा लेकर 22 साल की कड़ी मेहनत के बाद पहाड़ काटकर रास्ता बना दिया। दु:साहस और दृढ़ संकल्प का यह एक मशहूर उदाहरण है। ऐसे ही 'दशरथ मांझियों' को एक निजी संस्थान द्वारा अपने सामाजिक दायित्व निभाने पर राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान से पुरस्कृत किया जाएगा। यह समारोह 14 जनवरी 2016 को नई दिल्ली के कमानी ऑडिटोरियम में होगा, जिसमें 10 श्रेणियों में पुरस्कार दिए जाएंगे। इनमें महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता, शिक्षा, कृषि, ग्रामीण विकास, जन सेवा, समाज सेवा, कला व शिल्प, आजीविका, व्यावसायिक कौशल, स्वास्थ्य, आविष्कार, टेक्नोलॉजी तथा पर्यावरण शामिल हैं। इस समारोह में ऐसे 10 व्यक्तियों और 10 संगठनों को प्रमाण-पत्र व 1 लाख का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।